अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के तत्वावधान में झालबगान स्थित डिसरगढ़ क्लब में गत 07.12.2016 को ईसीएल के निदेशक (तकनीकी) सञ्चालन श्री बी॰ एन॰ शुक्ला तथा निदेशक (तकनीकी) योजना व परियोजना श्री ए॰ के॰ सिंह की गरिमामय उपस्थिति में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे गणमान्य कवियों ने अपनी कविताओं से ईसीएल परिवार को सराबोर किया। सम्मेलन की शुरुआत में निदेशक (तकनीकी) योजना व परियोजना श्री ए॰ के॰ सिंह ने ईसीएल परिवार की ओर से उपस्थित कवियों के स्वागत में कहा कि ऐसे मूर्धन्य कवियों का ईसीएल के मञ्च पर आगमन गौरव का विषय है। सम्मेलन का आगाज़ सरस्वती वन्दना के साथ हुआ जिसे श्रोताओं ने ख़ूब सराहा। ग्वालियर (मध्य प्रदेश) से पधारे गजलकार डॉ॰ अतुल अजनबी की पंक्ति रोते-रोते आँख हमारी झील हुई, काली कमाई कागज में तब्दील हुई को लोगों ने ख़ूब पसन्द किया। डॉ॰ ललित कुमार सिंह, पटना (बिहार) के हास्य-व्यङ्ग्य ने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लायी, तो प॰ अनिल चौबे, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) ने 'जवानी में जिन्हें मुहब्बत की गिनती नहीं आती, बुढापे में उन्हीं का डीएनए टेस्ट होता है जैसी हास्य-व्यङ्ग्य की कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। गजलकार श्री सुशील साहिल, भागलपुर (बिहार) ने अपनी सामाजिक सरोकार से जुड़ी गज़लों के माध्यम से व्यवस्था पर चोट की। प्रेम और श्रृंगार की कवयित्री डॉ॰ सरिता शर्मा ने अगर लौटा सको तो टूटा विश्वास लौटा दो/बनो बादल धरा को फिर पुरानी प्यास लौटा दो/अगर मजबूर हो तुम प्यार सच्चा दे नहीं सकते/तो झूठा ही सही पर प्यार का एहसास लौटा दो जैसे प्रेम और श्रृंगार में भीगे गीतों और सवैयों से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। निदेशक (तकनीकी) सञ्चालन श्री बी॰ एन॰ शुक्ला ने कार्यक्रम विराम की घोषणा करते हुए उपस्थित समस्त कवियों के प्रति ईसीएल परिवार की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा मनोरम और साहित्यिक वातावरण तैयार करने का श्रेय केवल इन श्रेष्ठ कवियों को जाता है जिन्होंने इस काव्य-सन्ध्या को इतनी ऊँचाई प्रदान की। कवि सम्मेलन के विशेष अवसर पर ईसीएल के निदेशक (तकनीकी) सञ्चालन श्री बी॰ एन॰ शुक्ला तथा निदेशक (तकनीकी) योजना – परियोजना श्री ए॰ के॰ सिंह सहित उपस्थित गणमान्य कवियों के करकमलों से ईसीएल के राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित हिन्दी गृह पत्रिका 'ज्योत्स्ना' के नवीनतम अङ्क का विमोचन किया गया। उक्त अङ्क में ईसीएल परिवार के सदस्यों की विभिन्न विषयों पर केंद्रित विविध विधाओं की रचनाओं को स्थान दिया गया है। कार्यक्रम का सञ्चालन श्री जीतन कुमार वर्मा, सहायक प्रबन्धक (राजभाषा)/प्रभारी ने किया, वहीं काव्य-मञ्च का सञ्चालन श्री सुशील साहिल द्वारा किया गया।